हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार,14 अक्टूबर 2025

13 जिलास्तरीय बाल महोत्सव का रंगारंग आगाज...

14 किसानों को आवश्यकता के अनुसार नहीं मिल रहा...

बारिश के दौरान शहर में अनेक जगह होती है जलभराव जैसी समस्या

जनस्वास्थ्य विभाग बनवाएगा स्टोरेज वाटर डिस्पोजल टैंक, विभाग ने 9.76 करोड़ का भेजा एस्टीमेट

अप्रूवल मिलते ही टेंडर लगाकर शुरू की जाएगी आगामी प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

बारिश के दौरान शहर में होने वाले जलभराव से अब शहरवासियों को अब राहत मिलेगी। इसके लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से बारिश के पानी को बाहर निकालने की के लिए 9.76 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की गई है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से शहर में दो स्थानों पर स्टोरेज वाटर डिस्पोजल टैंक बनाया जाएगा। इसके लिए विभाग की ओर से 9.76 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया जा चुका है। विभाग ने एस्टीमेट बनाकर उच्च अधिकारियों के पास भेजा गया है। अप्रूवल मिलते ही टेंडर लगाकर आगामी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बरसात में सबसे ज्यादा

बारिश के दौरान शहर में अनेक जगह पर जलभराव जैसी समस्या उत्पन्न हो जाती है। जलभराव से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा वाहन आदि भी फंसे हुए नजर आते है। शहर में जलभराव की सबसे ज्यादा दिक्कत बालाजी चौक, विश्वकर्मा चौक, नगर पालिका कार्यालय, मौहल्ला महायचान, पुराना नारनौल रोड, गंगा देवी पांडेय नेत्र चिकित्सालय, नागरिक अस्पताल, ऑटो मार्केट, पुराना कोर्ट, मौहल्ला वाल्मीकि में सबसे ज्यादा पानी भरता है। इसकी निकासी को लेकर विभाग की ओर से योजना तैयार की गई है। विभाग की ओर से लोक निर्माण विश्राम गृह के नजदीक व तरणताल के पास बनाया जाएगा।

महेंद्रगढ़। विभाग की ओर से चिन्हित की गई जगह। फोटो: हरिभूमि

जलभराव से निपटने की योजना बनाई

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से शहर में बारिश से होने वाले जलभराव से निपटने के लिए योजना बनाई गई है। इसके लिए विभाग की ओर से 9.76 करोड़ रुपये का एस्टीमेट बनाया गया है। इसके लिए अप्रूवल को लेकर उच्च अधिकारियों के पास भेजा गया है। अप्रूवल मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू करके आगामी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

–सुरेंद्र, कनिष्ठ अभियंता जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग महेंद्रगढ़

तरणताल के पास खाली जगह को लेकर फंसा पेंच

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से पुराने नारनौल रोड पर होने वाले जलभराव को लेकर विभाग की ओर से तरणताल के पास खाली जगह पर स्टोरेज टैंक बनाने की योजना है। इसके लिए विभाग ने खाली जगहों को लेकर खेल विभाग के अधिकारियों से विचार-विमर्श किया जा रहा है। अगर खेल विभाग की ओर से परमिशन मिलते ही पीडब्ल्यूडी कार्य शुरू किया जाएगा। विभाग पाइप लाइन के सहारे खाली जगह पर छोड़ा जाएगा।

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। जिला पार्षद प्रतिनिधि को मांगपत्र सौंपते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

खेल ग्राउंड विकसित कराने के लिए सौंपा मांगपत्र

महेंद्रगढ़। गांव बुचौली के ग्रामीणों ने खेल ग्राउंड विकसित करने को लेकर एक लिखित मांगपत्र जिला पार्षद प्रतिनिधि को सौंपा है। ग्रामीण पंकज राव, सोमदत्त, प्रवीण कुमार, विकास, उदमीराम, मोहित, लीलाराम, जयसिंह नंबरदार, आकाश, मनोज, अनिल आदि ने अपने हस्ताक्षर युक्त पत्र में कहा है कि गांव बुचौली में खेल ग्राउंड की हालत बहुत ही खराब है। उन्होंने जिला पार्षद प्रतिनिधि से मांग की है कि 400 मीटर का ट्रैक इंटरलॉकिंग टाइल्स का बनाया जाए और लाइट की व्यवस्था की जाए, जिससे युवा व बच्चे को खेलने में दिक्कत ना हो सके।

सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कल

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के कुशल मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन, विशेषकर विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पुलिस की ओर से इंटर स्कूल रोड सेफ्टी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 15 अक्टूबर को जिले के सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में एक साथ आयोजित की जाएगी। जिसमें तीसरी से पांचवीं, छठी से आठवीं, नौवीं से 12वीं कक्षा तथा कॉलेज एवं शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी भाग लेंगे।

प्लेटफार्म निर्माण व पटरियों के लिए अलॉट किया 110 करोड़ का टेंडर

जिले के पहले मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब के रेलवे प्लेटफार्म का निर्माण प्रगति पर

निजामपुर ब्लॉक के गांव बसीरपुर तलोट एवं घाटासेर की जमीन पर किया जाना है जिला महेंद्रगढ़ के पहले इंटीग्रेटिड मल्टी माडल लॉजिस्टिक हब का निर्माण

लॉजिस्टिक हब को लेकर उम्मीद है कि इसके बनने से जिले में चहुंमुखी विकास एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यहां औद्योगिक विकास होगा तथा इसके चालू होने से जिला महेंद्रगढ़ के माथे से जिले में एक भी इंडस्ट्री नहीं होने का कलंक भी धुल जाएगा।

राजकुमार ⏭ नारनौल

जिले के पहले इंटीग्रेटिड मल्टी माडल लॉजिस्टिक हब (आइएमएमएलएच) के निर्माण की दिशा में आजकल तलोट गांव के रेलवे अंडरपास के साथ लगती जमीन पर रेलवे प्लेटफार्म का निर्माण प्रगति पर है। इस प्लेटफार्म के निर्माण होने से मालगाड़ियों से गुड्स का आवागमन रेलवे से किया जा सकेगा। इसके निर्माण के लिए लगभग 110 करोड़ का टेंडर अलॉट किया हुआ है। इस लॉजिस्टिक हब को लेकर उम्मीद है कि इसके बनने से जिले में चहुंमुखी विकास एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। यहां औद्योगिक विकास होगा तथा इसके चालू होने से जिला महेंद्रगढ़ के माथे से जिले में एक भी इंडस्ट्री नहीं होने का कलंक भी धुल जाएगा।

नारनौल। लॉजिस्टिक हब के प्लेटफार्म निर्माण के लिए लगी कंपनी। फोटो: हरिभूमि

सड़क एवं रेलवे मार्गों से नेटवर्क जोड़ा

इस लॉजिस्टिक हब को नेशनल हाईवे नंबर 148-बी से जोड़ा जा चुका है, नजदीकी गांव मांदी के पास पड़ता है। यहीं से इस लॉजिस्टिक हब के लिए एनएच 152-डी तथा एनएच-11 भी जुड़ता है। इस लॉजिस्टिक हब की खास बात यह है कि यह डेडीकेट फ्रेट कोरिडोर यानि दिल्ली-मुंबई रेलवे मार्ग पर बनाया जा रहा है, जिसका रेलवे नेटवर्क एकतरफ देश की राजधानी तो दूसरी तरफ देश की आर्थिक राजधानी से सीधे जुड़ाव है। मुंबई की बंदरगाहों पर देश-विदेश में माल ढुलाई के लिए यह रेल मार्ग काफी महत्वपूर्ण है, जो इस लॉजिस्टिक हब के लिए काफी फायदेमंद रहेगा। यह प्लेटफार्म निजामपुर-डाबला रेललाइन से जुड़ेगा।

नारनौल। हब से माल ढुलाई के लिए मालगाड़ी का प्लेटफार्म तैयार करते हुए। फोटो: हरिभूमि

लोकल रोड भी बनाया

लॉजिस्टिक हब को नेशनल हाईवे नंबर 148-बी से जोड़ने के लिए गांव मांदी, ताजीपुर से होते हुए मुकंदपुरा से सीधे घाटासेर गांव में प्रवेश करता है और वहां से यह निजामपुर तरफ आगे बढ़ जाता है। फिलहाल इस सड़क मार्ग को छह मार्गीय बनाया गया है। इस सड़क मार्ग के अलावा भी यहां अन्य सड़कों का निर्माण लॉजिस्टिक हब की ड्राइंग के अनुसार किया जाना शेष है। इस लोकल रोड के अलावा यहां पानी की आपूर्ति के लिए नहरी पानी आधारित एक बड़ा वाटरटैंक का भी निर्माण किया जाएगा। साथ ही निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए एक विद्युत सब स्टेशन का निर्माण भी जाना है, जो पाइपलाइन में हैं।

यह बोले अधिकारी

निजामपुर क्षेत्र में इंटीग्रेटिड मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब का निर्माण किया जा रहा है। उसी कड़ी में इन दिनों तलोट गांव के रेलवे अंडरपास के साथ वाली जमीन पर रेलवे का प्लेटफार्म तैयार किया जा रहा है। इसका हमने 110 करोड़ रुपये का टेंडर किया हुआ है, जिस पर काम चल रहा है। इसके तहत प्लेटफार्म एवं पटरियों के लिए ग्राउंड लेवल पर काम चल रहा है। इसके निर्माण के लिए अन्य कार्य भी किए जाने हैं।

-रवि, मैनेजर, एचएसआईआईडीसी, नारनौल

1200 एकड़ जमीन की आवश्यकता

निजामपुर ब्लॉक के गांव बसीरपुर, तलोट एवं घाटासेर की जमीन पर जिला महेंद्रगढ़ के पहले इंटीग्रेटिड मल्टी माडल लॉजिस्टिक हब का निर्माण किया जाना है। इस हब के लिए सरकार को लगभग 1200 एकड़ जमीन की आवश्यकता है, जिसमें से अधिकांश भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं संरचना विकास निगम लिमिटेड (एचएसआइआइडीसी) की निगरानी में यह कार्य किया जा रहा है। यह लॉजिस्टिक हब इन गांवों से गुजरती रेल लाइन डेडीकेट फ्रेट कोरिडोर रेल ट्रैक के साथ बनाया जा रहा है। इस लॉजिस्टिक हब में जहां सड़कों का नेटवर्क बिछाना शुरू किया जा चुका है, वहीं बिजली एवं पानी के प्रोजेक्टों पर भी फोकस किया जा रहा है।

वेयरहाउस भी बनेंगे

इस लॉजिस्टिक हब से हरियाणा ही नहीं, अपितु राजस्थान, पंजाब, हिमाचल व जम्मू कश्मीर के शहरों को भी माल भेजा जाएगा। इस हब में बड़े-बड़े वेयर हाउस बनेंगे। अनुमान लगाया जा रहा है कि इससे लगभग 20 हजार लोगों को रोजगार भी मिलेगा, जिससे समूचे इलाके की कायाकल्प हो सकेगी।

यह बोले पूर्व मंत्री

नांगल चौधरी के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री डा. अभयसिंह यादव ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की घोषणा तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 28 मई 2015 को नांगल चौधरी में हुई रैली में की थी। करीब एक हजार एकड़ में बनने वाले इस प्रोजेक्ट पर एक हजार करोड़ का निवेश होगा, वहीं जिले का राजस्व हिस्सा भी बढ़ेगा। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद अप्रत्यक्ष रूप से करीब 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा, जिससे क्षेत्र की बेरोजगारी भी दूर होगी। हब के निर्माण के बाद क्षेत्र में औद्योगिक विकास होगा। मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब प्रदेश सरकार का इस क्षेत्र को आजादी के बाद पहला बड़ा तोहफा है और इसका निर्माण प्रगति पर है। इस हब के बनने से जिले में मल्टी नेशनल कंपनियों का सूखा खत्म होगा।

नांगल चौधरी। हादसे में क्षतिग्रस्त गाड़ी व (इनसेट में) मृतक युवक रोहित कुमार।

अज्ञात वाहन ने कार को मारी टक्कर, 3 की मौत, 2 घायल

जयपुर से बच्चे का उपचार करवाकर घर लौट रहे थे

हरिभूमि न्यूज. नांगल चौधरी

जयपुर से बच्चे का इलाज करवाकर घर लौट रहे खातोली अहीर निवासी युवक की कार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्चे समेत तीन की मौत हो गई। दो महिलाएं गभीर रूप से घायल हुई हैं। जिन्हें नारनौल के अस्पताल में भर्ती कराया गया। विभिन्न औपचारिकताएं पूरी करने के बाद अस्पताल प्रशासन ने मृतकों का शव परिजनों की मौजूदगी में पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

खातोली अहीर के सरपंच बिक्रम सिंह का पौत्र बीते कई दिनों से बीमार था। जिसका चेकअप तथा इलाज कराने के लिए पुत्र रोहित कुमार, पुत्रवधु नीतू, पुत्र की सास व पुत्री को जयपुर भेजा था। वहां विभिन्न चेकअप कराने के बाद रोहित कुमार परिजनों के साथ निजी कार से घर लौट रहा था। बूढ़वाल के पास अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। जिसमें एक वर्षीय बच्चे समेत पिता रोहित कुमार, नानी सुनीता देवी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक रोहित की पत्नी नीतू व बहन गंभीर रूप से घायल है। जिसे नारनौल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक रोहित कुमार का पिता बिक्रम सिंह व अन्य ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। गमगीन माहौल में हादसे के कारणों का पता करते रहे। अस्पताल में पहुंची पुलिस ने मौका निरीक्षण किया तथा विभिन्न औपचारिताएं पूरी करने के बाद अज्ञात वाहन के खिलाफ केस दर्ज करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। सीएचसी के चिकित्सक डॉ. योगेश यादव ने बताया कि तीनों मौत सिर की चोट से हुई हैं।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

महेंद्रगढ़। गांव बवानियां में एक तेज रफ्तार वेगनार गाड़ी ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। गांव बवानियां निवासी राजवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह रात्रि करीब 9:30-10 बजे महेंद्रगढ़ से अपने गांव बवानियां वापस आ रहे थे। उनके सामने से आ रहीं वेगनार गाड़ी ने हमारी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे हम दोनों भाई वह व जगबीर सिंह सड़क किनारे गिर गए। भाई के सड़क पर गिरने से उसके सिर व शरीर पर काफी गंभीर चोट लगी। इसके बाद उसने एक्सीडेंट करने वाली गाड़ी ड्राइवर का नाम पता किया। इसके बाद उसने राहगीरों की मदद से भाई जगबीर सिंह को उठाकर नागरिक अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसकी जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया।

दो बच्चों के बाप ने लगाया फंदा, मौत

महेंद्रगढ़। शहर के मोहल्ला बांस निवासी एक 37 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली हैं। मृतक के दो बच्चे हैं। मृतक ने घर में गेट पर रस्सी लटकाकर मौत को गले लगाया है। परिजनों व आसपास के लोगों ने इसकी सूचना सिटी पुलिस को दी। पुलिस ने मृतक को फंदे से शव को नीचे उतारा। इसके बाद एंबुलेंस की सहायता से मृतक को नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है।

मोहल्ला बांस निवासी श्यामलाल ने बताया कि उसके भतीजे जीतू की उम्र 37 वर्ष थी। जीतू के माता-पिता का देहांत पहले ही हो चुका है। जीतू का एक 13 वर्षीय लड़का व 11 वर्षीय लड़की है। जीतू काफी दिन से घर पर अकेला रहता था और दिमागी रूप से परेशान था। जीतू ने किस कारण फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त की है, इसमें किसी का कोई कसूर नहीं है।

विभिन्न संगठनों ने की पंचायत

नारनौल। अंबेडकर भवन मालवीय नगर में जिले की सभी एससी, एसटी, ओबीसी, बीसी संस्थाओं ने एक सांझी महापंचायत का आयोजन किया। जिसकी अध्यक्षता हरिसिंह बड़कोदिया ने की। इस अवसर पर हरियाणा के डीजीपी रैंक के अधिकारी वाई पूरण कुमार को आत्महत्या के लिए विवश करने वाले आरोपितों तथा हरिओम वाल्मीकि के हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए और सीजीआई बीआर गवई पर जूता फेंकने वाले आरोपित को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के लिए जिला स्तरीय विरोध प्रदर्शन 17 अक्टूबर को करने का निर्णय लिया। जिसके लिए सभी से प्रातः 10 बजे सुभाष पार्क में एकत्रित होने का आह्वान किया। बैठक में सभी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को जोड़कर 12 सदस्य कमेटी का गठन किया गया।

नारनौल। बैठक करते विभिन्न संगठनों के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

ऑनलाइन कार्य का बहिष्कार करेंगे बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी, सौंपा ज्ञापन

नारनौल। 25 अक्टूबर से तमाम ऑनलाइन कार्यों के बहिष्कार के लिए सोमवार को बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन जिला महेंद्रगढ़ ने उप सिविल सर्जन डॉ. आशा शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के बाद जिला प्रधान धर्मवीर यादव ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी निरन्तर जनहित में बिना किसी संसाधन के सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग अपने निजी मोबाईल से करने पर मजबूर हैं, जिसके लिए विभाग व सरकार को कई बार पत्राचार किया गया, लेकिन कोई समाधान न होने के कारण मजबूरन एसोसिएशन को बहिष्कार का फैसला लेना पड़ा। एनएचएम में कार्यरत एमपीएचडब्ल्यू (फिमेल) कर्मचारियों की जायज मांगों के लिए सरकार व विभाग से कई वर्षों से सैकड़ों बार पत्राचार व बातचीत हुई, लेकिन समाधान की बजाय हमेशा तय समझौतों पर हर बार वादाखिलाफी सरकार व विभाग की तरफ से की गई, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है और आंदोलन को मजबूर हैं। बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन 6 नवम्बर को प्रदेश के सभी जिलों में सिविल सर्जन कार्यालयों पर एक दिवसीय रोष प्रदर्शन करते हुए पुनः मांगों के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपेगी। इस मौके पर जिला सचिव दर्शना कुमारी, पिंकी यादव, राजवीर सिंह, महेश कुमार, मनोज कुमार, अजय, सतीश, विपिन कुमार व जिला कैशियर राकेश कुमार आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

सीएम नायब सिंह सैनी करेंगे लाभार्थियों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना: 2.0 का आवासीय प्लाट आवंटन का ड्रॉ आज

- जिले के पात्र लाभार्थियों का सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में आवासीय प्लाटों का होगा आवंटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद परिवारों को आवास सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में 14 अक्टूबर को प्रदेश स्तर पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के दूसरे चरण के तहत जिला महेंद्रगढ़ के पात्र लाभार्थियों को स्थानीय सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में आवासीय प्लाटों का आवंटन होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वर्चुअल माध्यम से लाभार्थियों को संबोधित भी करेंगे।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय सिंह ने बताया कि इस योजना के तहत उन ग्रामीण परिवारों को आवास की सुविधा प्रदान की जा रही है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय परिवार पहचान पत्र के अनुसार 1.80 लाख तक है।

उन्होंने कहा है कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर वंचित और जरूरतमंद को घर जैसी मूलभूत सुविधा वरीयता के आधार पर उपलब्ध हो। इसी कड़ी में हरियाणा सरकार पात्र लाभार्थियों के लिए प्लाट वितरण का कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने एमएमजीएवाई 2.0 के तहत दूसरे चरण में राज्य के 15 जिलों भिवानी, फरीदाबाद, फतेहाबाद, हिसार, झज्जर, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, महेंद्रगढ़, नूह, पानीपत, रोहतक, सिरसा, सोनीपत व यमुनानगर की 143 ग्राम पंचायतों तथा दो महाग्राम पंचायतों में कार्यक्रम रखा गया है।

एक हजार रुपये करना होगा एकमुश्त शुल्क भुगतान

कब्जे की प्रक्रिया में लाभार्थी एमएमजीएवाई 2.0 पोर्टल के माध्यम से एक हजार रुपये का एकमुश्त शुल्क का भुगतान करेंगे। इसके बाद लाभार्थी अपने आवंटन पत्र के साथ बीडीपीओ के समक्ष प्रस्तुत होंगे। बीडीपीओ बिक्री विलेख तैयार कर उस पर हस्ताक्षर करेंगे और लाभार्थी को सौंपेंगे। लाभार्थी बीडीपीओ द्वारा हस्ताक्षरित विलेख को तहसीलदार के समक्ष पंजीकरण के लिए प्रस्तुत करेंगे। तहसीलदार विलेख का पंजीकरण करेंगे और राजस्व रिकॉर्ड में म्यूटेशन और स्वामित्व रिकॉर्ड को अपडेट करेंगे। पंजीकरण की पुष्टि प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर बीडीपीओ प्लॉट का भौतिक कब्जा सौंपना सुनिश्चित करेंगे और कब्जा पत्र जारी करेंगे।

लाभार्थियों को दिए जाएंगे 100 गज के प्लाट

उन्होंने बताया कि इससे पहले प्रथम चरण में 24 जनवरी 2025 को 62 ग्राम पंचायतों में ड्रॉ का आयोजन किया गया था। दूसरे चरण का आवंटन 14 अक्टूबर को ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से एचएसवीपी के प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। जिले के लिए यह कार्यक्रम जिला सभागार भवन में प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। आवंटन के बाद जिले की पंचायतों में 100 वर्ग गज के आवासीय प्लाट लाभार्थियों को दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने इस योजना के तहत प्लाटों के पंजीकरण व कब्जे के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया को मंजूरी दी है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य पारदर्शी, समान और कुशल प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। इस प्रक्रिया में खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी को पंजीकरण और कब्जे के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्लाटों का भौतिक कब्जा लाभार्थियों को सड़कें, सीवरेज, पेयजल आपूर्ति और बिजली जैसी बुनियादी ढांचा पूरा होने के बाद ही सौंपा जाएगा।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
14 अक्टूबर 2025

सहेली

दीपावली का पर्व हम सभी के घर में खुशहाली का उजास लेकर आता है। लेकिन इस पर्व की तैयारी में घर की महिलाएं प्राय: इतना उलझ जाती हैं कि अपनी खुशी, सुख और उत्साह को बिसार देती हैं। ऐसा ना करें, घर-परिवार के साथ खुद भी इस त्योहारी खुशी, उल्लास के हर पल में शामिल हों। यकीन मानिए, इससे आपकी दीपावली और जगमगा उठेगी।

स्त्रियां भी जीएं सुख का उजास

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

उजास की चमक में स्वयं अपने भीतर झांकने का त्योहार है दीपावली। संबंधों में अनुभूतियों की रौनक भरने वाला जश्न है यह पर्व। यह उत्सव प्रेम-स्नेह के भाव को दरकने से बचाने वाली झिलमिलाहट भी साथ लेकर आता है, मन की कहने-सुनने से हर चेहरे पर एक दमक भी उतर आती है। कुल मिलाकर यह उत्सवीय आभा अपने भीतर भी एक जगमगाहट भरने का संदेश देती है। आंगन संवारती, दीवारें पोंछती, व्यंजनों की खुशबू फैलाती और अपनों की सज-धज का ध्यान रखती स्त्रियां, त्योहारी आपा-धापी में खुद को ही भूल जाती हैं। तो सुनो सहेली, दमकती-चमकती आंगन की रंगोली और रसोईघर से आती पकवानों की महक के बीच अपने मन की कांति को सहेजना ना भूलो।

सजी-धजी मुस्कुराहटों की चमक

हर उत्सव पर मां, बहन, बेटी और पत्नी के रूप में स्त्रियां अपने परिवार के आंगन में उजास भरती हैं। यह त्योहारी रौनक घर से लेकर गली तक हर ओर फैली होती है। साफ-सफाई और सजावट से झिलमिलाते घरों की कड़ियों को जोड़ने वाली स्त्रियां ही होती हैं। ऐसे में खुद की अनदेखी ना चाहते हुए भी हो जाती है। 'यह कर लूं', 'वह निपटा लूं' और 'घर के कोने-कोने को सजा लूं' के फेर में अपनी सज-धज तो रह ही जाती है। कभी-कभी तो इस भाग-दौड़ में मन नीरसता के धुंधलेपन से घिर जाता है। लेकिन सामानों की धूल झाड़ने में स्वयं की आभा फीकी ना होने दें। अब जबकि दीपावली आने में कुछ ही दिन बाकी रह गए हैं तो अपनी खुद की की साज-सज्जा की तैयारियां करने पर भी ध्यान दें। दीपपर्व की उजास में आपकी सजी-धजी मुस्कुराहटों की चमक भी बिखरनी ही चाहिए।

बना रहे उपस्थिति का आलोक

इस दीपावली यह सुनिश्चित करें कि आपकी उपस्थिति का आलोक भी हर ओर फैले। जब

सब मेल-जोल में व्यस्त हैं। आपके अपने सब कुछ भूलकर त्योहार की खुशियों को जी रहे हैं तो आप क्यों काम में उलझी हैं? आसमान तक फैली झिलमिलाहट के बीच आप घर के भीतर क्या सहेजने में लगी हैं? आज भी बहुत सी स्त्रियों के लिए यह त्योहार तैयारियों की कभी ना खत्म होने वाली श्रंखला भर बनकर रह जाता है। ऐसे में झिलमिल दीपों से सजे चौखट-चौबारों के बीच आपका मन व्यस्तता के जाल में न उलझे। ध्यान रहे, दीपावली के त्योहार पर मां लक्ष्मी और माता सरस्वती के पूजन का विधान है। अपने संवेदनशील हृदय में भरी ज्ञान रूपी समझ से सुखद मेलजोल जीएं। गृहलक्ष्मी के रूप में आलोकित अपने व्यक्तित्व को जिम्मेदारियां निभाने तक न समेटें। परिवार, घर-द्वार को संभालने के साथ-साथ दीपावली के दीयों की टिमटिमाती मुस्कान के बीच आपकी उपस्थिति की चमक भी जरूरी है।

साझेपन की दमक जरूरी

आप होम मेकर हों या वर्किंग वुमेन, त्योहार की तैयारी में सबका साथ लीजिए। परिवार को उत्सव मनाने में ही नहीं उत्सवीय तैयारियों में भी साथ रखिए। त्योहार के दिन आस-पड़ोस या मित्रों-सगे-संबंधियों के यहां सबके साथ आप भी मिलने जाइए। याद रहे, आपसी मेल-जोल और रिश्तों की रौनक से जुड़ा दीपावली का पर्व खुद को पीछे रखने के बजाय सहज रूप मन की ऊर्जा जुटा लेने का उत्सव है। इसके लिए स्त्रियां अपनों की सहायता लेने में संकोच ना करें। अपने जीवन में साझेपन की चमक भरने का प्रयास करें, ताकि यह जज्बाती दमक जिम्मेदारियों के मोर्चे पर भी दिखे। इतना भर करने से सबकी इच्छाओं और खुशियों का ध्यान रखते हुए आप अपने लिए भी समय निकाल सकेंगी। घर के आंगन में ही नहीं, अंतर्मन में भी इस त्योहार की जगमग को महसूस करेंगी। a

अपनों की अहम भूमिका

गृहलक्ष्मी की भाग-दौड़ को समझने का प्रयास अपनों को भी करना चाहिए। झिलमिलाते घर-आंगन में हंसते-मुस्कुराते हुए सब कुछ संभालने वाली परिवार की महिलाओं को बच्चे, बुजुर्ग और जीवनसाथी सभी सहयोग करें। उनको मन से सम्मान दें। याद दिलाएं कि पहनने के लिए उनकी पसंद के पारंपरिक परिधानों की तैयारी भी उन्हें ही करनी है। मिठाइयों की सूची थोड़ी छोटी रही तो भी चलेगा। 'बहू तुम भी सबके साथ बैठो' भर कहकर बुजुर्ग कई दिनों की भाग-दौड़ से फीके पड़े चेहरे की चमक लौटा सकते हैं। 'मम्मा हमारे साथ-साथ आप भी अच्छे से तैयार हो जाओ ना!' जैसे शब्द दीपावली की तैयारियों में जुटी मां को मुस्कुराहट की चमक दे सकता है। 'गृहलक्ष्मी की सज-धज बिना कैसा त्योहार' कहने वाले जीवनसाथी की अनुभूतियों से मिली आभा मन को नई दमक दे जाती है। अपनों का यह साथ-स्नेह घर की महिलाओं के लिए इस पर्व की रौनक और बढ़ा देगा। असल में बड़ों-छोटों की यह ज्योतिर्मय सोच स्त्रियों को कई उलझनों से बचा लेती है। दीपावली का त्योहार एक-दूजे के साथ खुशियां बांटने की परंपरा है। उत्सव के वास्तविक मायने तो तभी हैं, जब घर का हर सदस्य इस रीत की रौनक को जीए।

सुख-शांति-समृद्धि के लिए दीपावली से पहले
घर से निकालें नकारात्मक ऊर्जा

हर कोई चाहता है कि उसके घर में सुख, शांति बनी रहे और समृद्धि आए। इसके लिए दीपावली एक अच्छा अवसर है। आप वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ बातों को ध्यान रखकर अपने घर में सुख, शांति के साथ समृद्धि ला सकती है।

वास्तु
निकिता चौहान

जब दीपावली जैसा बड़ा पर्व आता है, परिवार में उत्सवी माहौल हो जाता है, मन उमंग-तरंग से भर उठता है। लेकिन दीपावली की खुशियों में कोई बाधा ना आए, त्योहार खुशी के साथ मनाया जा सके, इसके लिए जरूरी है कि आप वास्तु शास्त्र के अनुसार घर से नकारात्मक ऊर्जा को निकालें। भारतीय वैदिक वास्तु हमारे पारंपरिक ज्ञान से जुड़ा है, जो हमें अपने घर और कार्यस्थल पर पांच मूल प्राकृतिक तत्वों के सामंजस्य से एक सुगमता स्थापित करने में सहायता करता है। वैदिक वास्तु इन पंच तत्वों को उनकी दिशा के अनुसार घर में संयोजित करने की सलाह देता है। दीपावली में हमें वैदिक वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ विशेष उपाय अपनाने चाहिए, जिससे घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाएगी और हमारा स्वास्थ्य सही रहेगा, घर में सुख- शांति रहेगी, समृद्धि भी आएगी। ये विशेष उपाय कौन से हैं, जानें-

घर के केंद्र को साफ रखें: दीपावली में सर्वप्रथम अपने घर के केंद्र, जिसे ब्रह्मस्थान कहा जाता है, को साफ-सुथरा बनाएं। वहां बहुत ज्यादा सामान ना हो। इससे घर में ऊर्जा का प्रवाह सही और सुचारु ढंग से होगा।

मिट्टी का दीपक जलाएं: मिट्टी के दीये में गाय के घी से दीपक प्रज्वलित करें। गाय के घी को शुभ और पवित्र ऊर्जा का कारक माना जाता है। इसके अलावा तिल के तेल से दिया प्रज्वलित करने से ग्रहों के दुष्प्रभाव को समाप्त किया जा सकता है। घी, तिल, अरंडी, महुआ और नीम के तेल को मिलाकर प्रज्वलित दीपक पंचदीपम कहलाता है। इससे घर में समृद्धि, परिवार में स्नेह बना रहता है, रोग का नाश होता है। नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव की समाप्ति होती है, साथ ही वंश वृद्धि होती है।

चमकीले रंग का उपयोग करें: दीपावली में हमेशा चमकीले रंग का उपयोग करना चाहिए। दीपावली से पहले या बाद में पेंटिंग और साज-सज्जा करें। इसके अलावा दीपावली में आपको अपने घर या कार्यालय के प्रवेश द्वार के पास खास साफ-सफाई करना चाहिए।

पोंछे में समुद्री नमक डालें: घर में पोंछा लगाते समय पानी में थोड़ा समुद्री नमक मिला दें फिर पोंछा लगाएं, इससे नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होने में मदद मिलेगी।

नया दर्पण लगाएं: घर में नया दर्पण लगाएं ताकि लाइट ज्यादा चमके और सकारात्मक वातावरण बने। दीपावली के अवसर पर अपने घर के द्वार पर पौधों वाला गमला रखें। पौधा एक तरह से जीवन का प्रतीक होता है, इसलिए आपके घर में सकारात्मक वातावरण बनाने में सहायक रहता है।

मंत्र जाप करें: दीपावली के दिन खासकर घर में धार्मिक मंत्रों का उच्चारण करने वाले ऑडियो को मधुर आवाज में लगाएं। इससे अपने घर में भरपूर सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगी। परिवार में सब स्वस्थ रहेंगे। प्रेम-स्नेह भी बना रहेगा। a

(वास्तु-ज्योतिष विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंह से बातचीत पर आधारित)

दीपावली जैसा बड़ा पर्व हो तो इसकी भव्य तैयारी जरूरी हो जाती है। यह तैयारी वर्किंग वूमेन के लिए एक बड़े टास्क जैसी होती है, क्योंकि उसे ऑफिस के कामों के साथ, घर में भी त्योहार की तैयारी करनी होती है। इस दोहरी जिम्मेदारी के बीच वर्किंग वूमेन कैसे बैलेंस बैठाएं, जानिए।

टाइम मैनेजमेंट के साथ करें फेस्टिवल की तैयारी
फैमिली से लें हेल्प-करें फुल एंज्वॉय

वर्किंग वूमेन
अलका सोनी

दीपावली का पर्व सिर्फ लक्ष्मी पूजन, पटाखे और मिठाइयों तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि इसकी चमक-दमक के पीछे महीनों की तैयारी छिपी होती है। घर के हरेक कोने की झाड़-पोंछ, सजावट, नए कपड़े, पकवान और रिश्तेदारों की आवभगत, इन सबका बोझ ज्यादातर महिलाओं के कंधों पर रहता है। महिला अगर काम-काजी है, तो दीपावली की तैयारी करना उसके लिए आसान नहीं होता, काफी मुश्किलें आती हैं। लेकिन सही ढंग से मैनेज किया जाए तो मुश्किलें आसान हो सकती हैं। इस संबंध में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में कार्यरत गुंजन सिंह कहती हैं, 'वर्किंग होने के साथ त्योहारों की तैयारी थोड़ी मुश्किल हो जाती है, लेकिन टाइम मैनेजमेंट से त्योहार को पूरी तरह एंज्वॉय करने का मौका मिल सकता है। मैं दिवाली के बीस दिन पहले से थोड़ी-थोड़ी तैयारी करने लगती हूं। इससे एकसाथ मुझ

पर काम का बोझ नहीं पड़ता। दिवाली का सामान उसकी प्राथमिकता के हिसाब से लाती जाती हूं, एक लिस्ट बना लेती हूं, फिर ऑफिस से आते वक्त इन्हें लाती रहती हूं।'

महिलाओं की दोहरी जिम्मेदारी: भारतीय परिवारों में त्योहार की तैयारी का काम पीढ़ियों से महिलाओं की जिम्मेदारी ही माना गया है। दादी-नानी के समय में यह काम सहज रूप से घरेलू जीवन का हिस्सा था। तब अधिकतर महिलाएं गृहिणी थीं, इसलिए पूरा ध्यान घर के सभी कामों को करने और मेहमानों की देखभाल में बीतता था, लेकिन बदलते समय के साथ महिलाएं शिक्षा और नौकरी के क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं। ऐसे में उन पर जिम्मेदारियों का भार दोगुना हो गया है।

टाइम मैनेजमेंट का प्रेशर: ऑफिस की डेडलाइन और त्योहार की डेडलाइन, दोनों को साथ लेकर चलना एक आर्ट है। हर महिला इसे अपने तरीके से सीखती है। ऑफिस के कामों के साथ घर में भी त्योहारों की रौनक कायम रखने पर ध्यान दिया जाए तो दोनों के बीच अच्छा संतुलन बनाया जा सकता है। बस उन्हें अपने परिजनों की थोड़ी मदद की दरकार होती है।

हो स्मार्ट प्लानिंग: वर्किंग वूमेन के पास समय की कमी होती है। इसलिए समय बचाने और सारा काम पूरा करने के लिए ये महिलाएं 'टू-डू लिस्ट' और कैलेंडर बनाकर हफ्तों पहले तैयारी शुरू कर देती हैं। एक दिन सफाई, दूसरे दिन बाजार, तीसरे दिन उपहारों की पैकिंग। इस तरह काम को छोटे हिस्सों में बांटकर करने से काम आसानी से हो जाते हैं। साथ ही ऑनलाइन शॉपिंग, एप-बेस्ड क्लीनिंग सर्विस, तैयार मिठाइयों की होम-डिलीवरी जैसी सुविधाएं आज त्योहारों की तैयारी को आसान बना रही हैं। आज की महिलाएं यह समझती हैं कि दिवाली का मतलब तनाव नहीं, खुशी है। इसलिए वे ऑफिस से छुट्टियां पहले से प्लान कर लेती हैं। a

जरूरी है परिवार की भागीदारी

जीवन में हम परिवार की अहमियत को अनदेखा नहीं कर सकते। परिवार को मानव की प्रथम पाठशाला भी कहा जाता है। यानी कि पीढ़ियां अपने परिवार से ही सीखती रही हैं। अतः यह समझने की जरूरत है कि घरेलू कार्यों के लिए सिर्फ महिलाएं ही जिम्मेदार नहीं हैं, घर के पुरुषों और बच्चों को भी त्योहार की तैयारियों में हाथ बंटाना चाहिए। इससे सारे काम आसानी से संपन्न हो जाएंगे।

प्रदूषण से बालों को ऐसे बचाएं

हेयर केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

बालों का कमजोर होना, झड़ना, रूसी और उम्र से पहले बालों के सफेद होने जैसी समस्याओं को लेकर कई महिलाएं परेशान रहती हैं। कुछ घरेलू उपचार से इन सभी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। आप चाहें तो बालों की इन समस्याओं के लिए मुलेठी पावडर को अलग-अलग तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपके बाल और भी ज्यादा हेल्दी और शाइनी हो जाएंगे।

डेंड्रफ के लिए: डेंड्रफ की प्रॉब्लम दूर करने के लिए सबसे पहले कांच के जार में एक चम्मच मुलेठी पावडर, आधा चम्मच नीबू का रस और एक चम्मच शहद को अच्छी तरह मिलाएं। इस तरह तैयार पेस्ट को अपने सिर और बालों में लगा लें। आप इसे हफ्ते में दो बार लगा सकती हैं। मुलेठी में एंटी बैक्टीरियल गुण होते है, जिसके कारण यह डेंड्रफ की प्रॉब्लम को दूर करता है।

हेयर फॉलिंग: बाल झड़ना यानी हेयर फॉल या बाल्डनेस की प्रॉब्लम के लिए भी आप मुलेठी पावडर को अप्लाई कर सकती हैं। सबसे पहले कांच के बर्तन में एक चम्मच मुलेठी पावडर, कुछ केसर के धागे और 1 कप दूध या दही डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इसे रात के समय अपने बालों पर लगाएं और

शॉवर कैप से बालों को कवर करके सो जाएं। सुबह आप अपने बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

हेल्दी हेयर के लिए: हेल्दी हेयर के लिए हेयर मास्क काफी इफेक्टिव माना जाता है। इसे बनाने के लिए कांच के बाउल में आधा पका केला, 2 चम्मच मेहंदी पावडर और 1 चम्मच मुलेठी पावडर को अच्छे से मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को बालों पर 45 मिनट तक लगाने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए हेयर मास्क को आप हर हफ्ते में एक बार लगा सकती हैं। बेजान और कमजोर बालों के लिए एक कटोरे में पांच चम्मच मुलेठी पावडर, 1 कप दही और 2 चम्मच जैतून का तेल डालकर इसे अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को अपने सिर और बालों पर अच्छी तरह लगाकर, आधे घंटे बाद बालों को ताजे और साफ पानी से धो लें, इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी।

सफेद बाल: पचास-साठ की उम्र से पहले सफेद हुए बालों की समस्या से बहुत सी युवा और मिडएज की महिलाएं परेशान रहती हैं। इस समस्या से बचाव के लिए भी मुलेठी पावडर का उपयोग काफी कारगर हो सकता है। इसके लिए मुलेठी पावडर और थोड़ी मात्रा में सरसों के तेल को मिलाकर, इसे अपने बालों पर लगा लें। यह आपके हेयर फॉल की प्रॉब्लम के साथ बालों में आई असमय सफेदी को भी कम कर सकती है। इसके लिए, दही और मुलेठी पावडर का पेस्ट भी काफी फायदेमंद साबित होता है।a

खूबसूरत-आकर्षक दिखेगा आपका आशियाना

दीपावली के अवसर पर हर कोई चाहता है कि उसका घर-आंगन सबसे खूबसूरत दिखे। आप भी अपने घर को आकर्षक दिखाने के लिए तैयारियों में जुटी होंगी। हम यहां आपको कुछ ऐसे यूनीक आइडियाज बता रहे हैं, जिससे आपका घर ऐसा दमक उठेगा कि सब तारीफ करेंगे।

डेकोरेशन
श्रुति आयंगर

दिवाली सिर्फ रोशनी करने, आतिशबाजी करने, तरह-तरह के व्यंजन खाने-खिलाने का त्योहार नहीं है। इस अवसर पर घर के हर कोने को सजाया भी जाता है। हम आपको घर डेकोरेट करने के कुछ आसान लेकिन अट्रैक्टिव लुक देने वाले तरीके बता रहे हैं।

एंटीक-हैंडीक्राफ्ट आइटम्स: ब्रास, कॉपर, सिल्वर टोन के शोपीसेस और हैंडीक्राफ्ट आइटम्स घर को रॉयल लुक देते हैं। छोटे-छोटे लैंप्स, हैंड पेंटेड ट्रे, मूर्तियां,

ब्रास या कॉपर के वास, लंबे दीया स्टैंड, टेराकोटा आर्ट पीस, वुडेन क्राफ्ट, क्ले पॉट्स, मेटल वॉल हैंगिंग, पेंटेड बॉटल्स, झूमर, घंटियां और पीतल के शोपीस ये सभी घर को फेस्टिव टच देते हैं। इन्हें कॉर्नर टेबल, विंडो साइड टेबल या घर के एंट्रेंस पर साइड टेबल पर रखें तो और भी अच्छा दिखेगा।

थीम बेस्ड डेकोरेशन: हाल के सालों में दीपावली पर थीम बेस्ड डेकोरेशन का क्रेज भी काफी बढ़ा है। आप चाहें तो गोल्डेन थीम फॉलो कर अपने घर को रॉयल-क्लासी टच दे सकती हैं। पेस्टल थीम से घर को सॉफ्ट और ट्रेंडी लुक मिलेगा। इस ऑकेजन के लिए ट्रेडिशनल रेड-ग्रीन डेकोरेशन को भी शुभ माना जाता है। अगर आप कुछ डिफरेंट डेकोरेशन चाहती हैं तो मल्टीकलर या कोई ट्रेडिशनल थीम भी अपना सकती हैं। जो थीम आप सेलेक्ट करें उसी के अनुसार पर्दे, टेबल कवर, रनर और डेकोरेटिव आइटम्स का भी चुनाव करें।

रि-स्टाइल करें फर्नीचर: जरूरी नहीं कि दीपावली पर नए फर्नीचर ही खरीदे जाएं। इसकी बजाय पुराने फर्नीचर को रि-स्टाइल भी करवा सकती हैं। सोफा या चेयर को दीवार के किनारे से हटाकर सर्कल या स्क्वेयर में अरेंज कर सकती हैं। पुराने सोफे का बेस और बैक कुशन बदलें।

लाइटिंग हो खास: दीपावली के मौके पर हैंडमेड बाती लैंप, शेड लाइट और शैडो लाइट्स काफी पसंद की जाती हैं। ये पीसेस घर को रोशन करने के साथ-साथ स्टाइलिश और पर्सनल टच भी देती हैं। ड्राइंग रूम में डेकोरेटिव लैंप, हैंगिंग लालटेन और वॉल लैंप्स लगाकर घर को आकर्षक लुक दे सकती हैं। इंडोर प्लांट्स के आस-पास छोटे रंगीन बल्बों वाली

लाइट्स लगा सकती हैं। बालकनी और लॉन के लिए फेयरी लाइट्स, स्टार प्रोजेक्टर, एलईडी स्ट्रिप और लालटेन का उपयोग करना अलग टच देगा। पूरे आंगन को जगमगाने के लिए एलईडी और सोलर लाइट्स सबसे स्मार्ट ऑप्शन हैं।

शीशे से करें सजावट: गोल या चौकोर आकार के छोटे शीशों के टुकड़ों को लंबी, पतली रंगीन पट्टी पर चिपकाकर दीवारों पर सजाया जा सकता है। दरवाजे पर शीशों का तोरण भी बहुत खूबसूरत लगता है।

फूलों से सजाएं घर: गेंदे के नकली फूलों की लड़ी, जिसमें छोटी घंटियां लगी हों, सीढ़ी की रेलिंग पर लटका सकती हैं। आप असली फूल भी लगा सकती हैं।a

(इंटीरियर एक्सपर्ट अनामिका शर्मा से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

मेन सड़क टूटने से लोग हो रहे घायल

नारनौल। मोहल्ला खरखड़ी स्थित नेत्रहीन कन्या विद्यालय के पास मेन सड़क को टूटे हुए काफी समय हो गया है, जिस कारण कई व्यक्ति मोटरसाइकिल व स्कूटी से गिर चुके हैं तथा कई पुरुषों और महिलाओं एवं बच्चों को भी गंभीर चोट भी लग चुकी है। यह पर सड़क के बीचोंबीच जो नाली बनी है, उस पर लोहे की जाली लगी हुई है। वह करीब आधे हिस्से की जाली गायब है और दुपहिया वाहन चालक एवं पैदल राहगीर यहां से गुरजते वक्त कई बार गिर कर चोटिल हो चुके हैं।

देशव्यापी नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में कार्यरत एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी धर्म सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर शिक्षा मंत्रालय, अटल इन्नोवेशन मिशन, नीति आयोग व एआईसीटीई के सहयोग से विकसित भारत बिल्डथोन कक्षा छह से 12वीं तक छात्रों के लिए एक देशव्यापी नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह भारत का सबसे बड़ा इन्नोवेशन मिशन है। सभी स्कूलों के छात्रों को टीमों के रूप में 31 अक्टूबर तक नवाचार के रूप में तकनीकी का सहारा लेकर अपने विचार, फोटो, वीडियो आदि पोर्टल पर अपलोड करने हैं।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में नन्हें-मुन्नों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

जिलास्तरीय बाल महोत्सव का रंगारंग आगाज, छाए बच्चे

बाल भवन एक ऐसी संस्था है, जो बच्चों को उनकी आयु, रूचि व योग्यता के अनुसार मंच उपलब्ध करवाती है: विपिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा राज्यपाल कल्याण परिषद की महासचिव डॉ. सुषमा गुप्ता के निर्देशानुसार व उपायुक्त एवं जिला बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष कैप्टन मनोज कुमार के मार्गदर्शन में सोमवार को बाल भवन में सरकारी व गैर सरकारी स्कूली बच्चों के लिए छह दिवसीय जिला स्तरीय बाल महोत्सव प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन कुमार शर्मा ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर किया। विशिष्ठ अतिथि जिला बाल संरक्षण अधिकारी सन्दीप सिंह मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने की। मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि बाल भवन एक ऐसी संस्था है, जो बच्चों को उनकी आयु, रूचि व योग्यता के अनुसार उनको विविध कलाओं के प्रदर्शन के लिए मंच उपलब्ध करवाती है। उन्होंने बच्चों द्वारा अपने अध्यापकों व अभिभावकों द्वारा बताए गए सद्मार्ग पर चलने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि असफलता से सिख लेते हुए निरन्तर सफलता प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने बच्चों से आह्वान किया कि वे इन कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सेदारी करके अपना हुनर का बेहतर प्रदर्शन करते रहे। गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी जिले के बच्चें राज्य स्तरीय बाल दिवस प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करें। जिला बाल कल्याण अधिकारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि सोलो डांस प्रथम व द्वितीय ग्रुप, ग्रुप डांस प्रथम व द्वितीय ग्रुप प्रतियोगिताओं में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चें आगे मंडल स्तरीय प्रतियोगिताओं तथा कार्ड मेकिंग प्रथम ग्रुप, क्ले मोडलिंग प्रथम व द्वितीय ग्रुप प्रतियोगिताओं के प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने प्रतिभागी सीधे राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

प्रतियोगिता के परिणाम

कार्ड मेकिंग प्रथम ग्रुप प्रतियोगिता में आरपीएस स्कूल महेन्द्रगढ़ की काव्या प्रथम, एचपीएस स्कूल नारनौल के केशव ने द्वितीय, सरस्वती विद्या मन्दिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल नांगल चौधरी की अंशु ने तृतीय, यदुवंशी शिक्षा निकेतन कनीना की निवांशी ने सांत्वना प्रथम व यदुवंशी शिक्षा निकेतन महेन्द्रगढ़ की नैंना ने सांत्वना द्वितीय स्थान प्राप्त किया। क्ले माडलिंग प्रथम ग्रुप प्रतियोगिता में हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल महेन्द्रगढ़ की अनुष्का प्रथम, सीएल पब्लिक स्कूल नारनौल की वामिका द्वितीय, भारती पब्लिक स्कूल के हिमांक तृतीय, आरपीएस पब्लिक स्कूल नारनौल की वरोनिका ने सांत्वना प्रथम व यदुवंशी शिक्षा निकेतन सतनाली की प्राची ने सांत्वना द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

40 स्कूलों के 500 विद्यार्थियों ने लिया भाग

पहले दिन कार्ड मेकिंग क्ले मोडलिंग, सोलो डांस प्रतियोगिताओ का आयोजन किया। इसमें जिलेभर के सरकारी व गैरसरकारी 40 स्कूलों के 500 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने फ्री हैंड क्ले मॉडलिंग, कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न त्योहार, शुभकामना, किसी भी स्पेशल दिवस जैसें टीचर्स डे और मदर डे आदि विषयों पर सुन्दर कार्ड बनाए व एकल नृत्य व समूह नृत्य प्रतियोगिता में बच्चों ने हरियाणवी नृत्य एवं लोक नृत्य प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मंच संचालन कार्यक्रम अधिकारी विवेक कुमार, लिपिक सुरेन्द्र शर्मा व परियोजना निदेशक रोहताश सिंह रंगा ने किया। ग्रुप डांस व सोलो डांस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका प्रवक्ता मंदीप यादव, मनीषा सैनी, डॉ. कुसुमलता व प्रवक्ता वन्दना शर्मा ने निभाई।

महेंद्रगढ़। विजेता टीम के साथ मुख्यातिथि व अन्य। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस डिग्री कॉलेज में इंटर कॉलेज वॉलीबाल टूर्नामेंट शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस डिग्री कॉलेज में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालय पुरुष-महिला वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। यह टूर्नामेंट 14 अक्टूबर तक चलेगा। उद्घाटन समारोह कॉलेज के मुख्य खेल मैदान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव थी। निदेशक डॉ. महेश यादव, कुलसचिव डॉ. देवेंद्र यादव और कॉलेज प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह कादयान विशेरूप तौर पर उपस्थित रहे। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि खेल में हरियाणा ने हमेशा ही भारत का नाम रोशन किया है। डॉ. महेश यादव ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि ये टीम भावना, अनुशासन और नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण गुणों का भी विकास करते हैं। कॉलेज प्राचार्य डॉ. देवेंद्र सिंह कादयान ने कहा कि आरपीएस डिग्री कॉलेज हमेशा से शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी बढ़ावा देता रहा है। उन्होंने बताया कि इस टूर्नामेंट में आईजीयू रेवाड़ी से संबद्ध 10 कॉलेज की टीम हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट का पहला मैच यदुवंशी कॉलेज नारनौल और जीसी अटेली के बीच खेला गया, जिसमें जीसी अटेली ने 2-0 से शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। दूसरा मैच आरबीएस आईईटी और यदुवंशी महेंद्रगढ़ के बीच हुआ, इसमें यदुवंशी महेंद्रगढ़ 2-0 से जीता और तीसरा मैच आरपीएस डिग्री कॉलेज और जीसी रेवाड़ी के बीच खेला गया, जिसमें आरपीएस डिग्री कॉलेज ने 2-0 से जीत दर्ज की। इस दौरान दो मैच महिला टीम के बीच भी आयोजित हुए। पहला मैच यदुवंशी महेंद्रगढ़ और जीसी नारनौल के बीच रहा, जिसे जीसी नारनौल ने 2-0 से अपने नाम किया। वहीं दूसरा मैच आरपीएस इंजीनियरिंग कॉलेज और यदुवंशी नारनौल के बीच खेला गया।

आभार व्यक्त किया

जिसमें यदुवंशी नारनौल 2-0 से विजयी रहा। इस आयोजन को सफल बनाने में कोच सुनील ढिल्लो, उमेद सिंह, सज्जन सिंह, धीरज, रमेश शर्मा, विक्रम सिंह, नवीन पिलानिया और मंजू देवी जुटे हुए हैं। सीईओ मनीष राव ने इस टूर्नामेंट को आरपीएस डिग्री कॉलेज में आयोजित कराने के लिए आईजीयू मीरपुर रेवाड़ी का आभार व्यक्त किया।

जीएल की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

कल्पना चावला के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक बातें भी साझा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

जीएल महाविद्यालया द्वारा छात्राओं के लिए एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को भारत की ऐतिहासिक, धार्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक धरोहर से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने कुरुक्षेत्र के कई प्रमुख स्थलों का दौरा किया, जिनमें ज्योतिसर, ब्रह्मसरोवर, गुरुद्वारा, पैनोरमा संग्रहालय, श्रीकृष्ण संग्रहालय और कल्पना चावला तारामंडल शामिल रहे। कल्पना चावला तारामंडल में छात्राओं ने अंतरिक्ष, खगोल विज्ञान और वैज्ञानिक उपलब्धियों से जुड़ी रोचक जानकारियां प्राप्त की। तारामंडल में दिखाई गई प्रस्तुतियों ने छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति प्रेरित किया और कल्पना चावला के जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक बातें भी साझा की गई। इस शैक्षणिक भ्रमण ने छात्राओं को न केवल ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों की समझ दी, बल्कि विज्ञान के प्रति भी रुचि जगाई। कॉलेज प्राचार्या एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रम के आयोजन की बात कही। छात्राओं ने भ्रमण को रोमांचक, प्रेरणादायक और शैक्षिक दृष्टि से उपयोगी बताया।

महेंद्रगढ़। शैक्षणिक भ्रमण करती छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। भ्रमण करते विद्या भारती स्कूल के विद्यार्थी।

विद्या भारती स्कूल के विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के बच्चों शैक्षणिक भ्रमण पर अक्षरधाम नई दिल्ली गए। विद्यालय के प्राचार्य विनोद यादव व वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने बच्चों का नेतृत्व किया। चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने बच्चों के उत्साहवर्द्धन हेतु स्वयं हरी झण्डी दिखाकर बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया। विद्यालय के प्राचार्य विनोद यादव ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक भ्रमण बहुत ही आवश्यक है। वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने अभिभावकों से नम्र निवेदन किया बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश व विद्यालय द्वारा समय-समय पर भ्रमण करवाने के लिए अधिक से अधिक रूचि लेने चाहिए। बच्चों के साथ विद्यालय की वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, प्राचार्य विनोद यादव के अलावा अन्य अध्यापकगण भी गए। वहां पर बच्चों को अक्षरधाम मंदिर दिखाया व स्वामीनारायण भगवान के जीवन पर आधारित फिल्म एवं प्रदर्शनी दिखाकर बच्चों का मनोरंजन व ज्ञानवर्द्धन किया।

प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए किया प्रेरित

राजवंशी स्कूल में हुआ एटॉमिक एनर्जी विभाग का विशेष कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजवंशी सीनियर सेकेंडरी स्कूल दोचाना में सोमवार को परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत एटॉमिक मिनरल्स डायरेक्टरेट फॉर एक्सप्लोरेशन एंड रिसर्च की ओर से एक विशेष वैज्ञानिक प्रदर्शनी व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विभाग के विशेषज्ञों ने यूरेनियम संसाधनों, दुर्लभ धातुओं व खनिजों की खोज एवं उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व निदेशक ओपी यादव, उपक्षेत्रीय निदेशक उत्तरी क्षेत्र दिल्ली राकेश मोहन ने की। प्रभारी उत्तरी क्षेत्र दिल्ली ऐके पाठक ने प्रदर्शनी में लगे पोस्टर्स व मॉडलों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया गया कि भारत के विभिन्न राज्यों में किस प्रकार खनिजों की खोज की जाती है और ये संसाधन देश के वैज्ञानिक तथा ऊर्जा क्षेत्र में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस कार्यक्रम में दोचाना सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण व विद्यार्थी उपस्थित हुए। लोगों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। विशेषज्ञों ने उपस्थित लोगों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने व प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रबंधक दिनेश कुमार ने कहा कि इस तरह के वैज्ञानिक कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में विज्ञान और अनुसंधान के प्रति जागरूकता फैलाने में अत्यंत सहायक होते हैं। उन्होंने विभाग का आभार व्यक्त किया और कहा कि राजवंशी स्कूल भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

नारनौल। प्रदर्शनी में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

सफाई कर्मियों ने मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

नारनौल। नपा कर्मचारी संघ के आह्वान पर सोमवार को तालाब बहादुर सिंह चौक स्थित सभा प्रांगण में महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गाई, जिसमें ग्रामीण सफाई कर्मचारी व पालिकाओं के कर्मचारियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि व बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला। नपा कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह संगेलिया ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण जैसे ग्रंथ लिखे और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने संविधान लिखा। सभी कर्मचारी साथियों से आह्वान किया कि परिवार में बच्चों को पढ़ाओ लिखाओ, ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो।

जॉब मेले में 33 विद्यार्थियों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित रोजगार मेले में 33 विद्यार्थियों का चयन किया गया। प्रधानाचार्य विनोद खानगवाल ने बताया कि कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के दिशानिर्देशानुसार आयोजित इस मेले में कुल 77 छात्रों ने भाग लिया। चयन प्रक्रिया के दौरान कम्पनी के एचआर मैनेजर मुकेश कुमार ने लिखित परीक्षा व साक्षात्कार के आधार पर छात्रों का चयन किया। संस्थान के प्लेसमेंट ऑफिसर सुदर्शन कुमार ने बताया कि चयनित 33 छात्रों को 15 अक्टूबर को कंपनी में जॉइन करवाया जाएगा। प्रधानाचार्य विनोद खानगवाल व उपप्रधानाचार्य जीवन कुमार जिंदल ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर संस्थान के सत्यनारायण सिंह, सुनील कुमार, वीरेंद्र कुमार, जगदीश, राजेश, अमित कुमार, गुरदयाल, मनीषा यादव, अमित रंगा, विकास आदि मौजूद थे।

नारनौल। जॉब मेले में आए युवक व अन्य। फोटो: हरिभूमि

पॉलिटेक्निक में हेल्थ चेकअप शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में सोमवार को मेदांता फाउंडेशन की ओर से दो दिवसीय हेल्थ चेकअप कैम्प का शुभारंभ हुआ। इस कैम्प का उद्घाटन संस्थान के प्रधानाचार्य इंजीनियर अनिल यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर मेदांता फाउंडेशन की डॉक्टरों की टीम उपस्थित रही, जिनमें डॉ. हिमांशु पूनिया, डॉ. रमेश, नजरीम खान, मनीष कुमार, वरुणिका त्यागी (काउंसलर) आदि शामिल रहे। कैम्प के दौरान 13 और 14 अक्टूबर को संस्थान के विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण व स्वास्थ्य सम्बन्धी एक्सपर्ट लेक्चर आयोजित किए जाएंगे। इसमें कॉलेज के स्टाफ सदस्यों के लिए भी हेल्थ चेकअप की व्यवस्था की गई है। संस्थान के प्रधानाचार्य ने कहा कि इस तरह के हेल्थ चेकअप कैम्प विद्यार्थियों और स्टाफ के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। उन्होंने मेदांता फाउंडेशन की टीम का स्वागत किया और सभी स्टाफ व विद्यार्थियों से कहा कि डॉ. टीम की सलाह के अनुरूप इस हेल्थ चेकअप कैंप में सभी टेस्ट करवाने चाहिए तथा अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें। इस अवसर पर ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी अनिल कुमार यादव व सभी विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

नारनौल। हेल्थ चेकअप कार्यक्रम में भाग लेते प्रधानाचार्य अनिल यादव एवं चिकित्सक। फोटो: हरिभूमि

राष्ट्र के उत्थान व उसके उज्ज्वल भविष्य की नींव बेटियों के सशक्तिकरण पर ही टिकी: डॉ. शर्मा

पीजी कॉलेज की छात्रा सोनम का सहायक प्रोफेसर पद पर चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

राजकीय महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग की छात्रा सोनम गर्ग का सहायक प्रोफेसर पद पर चयन हुआ। इस अवसर पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार शर्मा व जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्राचार्या डॉ. पूर्ण प्रभा ने सोनम गर्ग को फूलमालाएं पहनाकर, पारितोषिक व अध्धयन सामग्रियां प्रदान कर सम्मानित किया।

मिठाइयां खिलाकर बेटी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए समस्त स्टाफ सदस्यों ने बेटी को बधाई दी। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ. पवन कुमार शर्मा ने बताया कि बेटियां राष्ट्र का भविष्य तय करेंगी। आज बेटियां हर आयाम में नये कृतिमान स्थापित कर रहीं हैं। बेटियां ही राष्ट्र का निर्माण करेंगी। राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि के लिए बेटियों का सशक्तिकरण व विकास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर मिलते हैं, तो वे परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। राष्ट्र के उत्थान व उज्ज्वल भविष्य की नींव बेटियों के सशक्तिकरण पर ही टिकी है। उन्होंने विभागाध्यक्ष एवं महाविद्यालय कुलसचिव डॉ. सत्यपाल सुलोदिया व प्राणी शास्त्र विभाग के सभी स्टाफ सदस्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्राणी शास्त्र विभाग लगातार शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। पब्लिक रिलेशन ऑफिसर प्रोफेसर डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि प्राणी शास्त्र विभाग लगातार उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है। हाल ही में विश्व बेटी दिवस पर दो विद्यार्थियों डॉ. प्रिया व डॉ. अमित ने इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी में सहायक प्रोफेसर पद पर ज्वाइन किया है।

वहीं एमएससी प्राणी शास्त्र विभाग की छात्रा ने विश्वविद्यालय परीक्षाओं में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं दो छात्राओं ने सीएसआई आर वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित नेट जेआरएफ परीक्षा में क्रमशः 92वीं व 124वीं ऑल इंडिया रैंक प्राप्त करके न केवल महाविद्यालय बल्कि जिले का नाम रोशन किया। इन सभी को महाविद्यालय वार्षिकोत्सव समारोह पर भी सर्टिफिकेट व पारितोषिक देकर सम्मानित किया जाएगा।

नारनौल। सोनम गर्ग को सम्मानित करता कॉलेज स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

महाविद्यालय के लिए गर्व

इस अवसर पर महाविद्यालय कुलसचिव डॉ. सत्यपाल सुलोदिया ने बताया कि प्राणी शास्त्र विभाग के विद्यार्थियों द्वारा पिछले पांच सालों में 22 नेट जेआरएफ की परीक्षा पास की है तथा 62 विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में टॉप 10 में अपना नाम सुनिश्चित किया। इसके अलावा तीन विद्यार्थियों ने सहायक प्रोफेसर पद पर ज्वाइन करना महाविद्यालय के लिए गर्व का पल है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर सोनम गर्ग ने उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों व प्राचार्या डॉ. पूर्ण प्रभा, माता व पिता को दिया है। इस मौके पर उपप्राचार्य डॉ. हवासिंह, डॉ. महेन्द्र मुदगिल, डॉ. सतीश सैनी, डॉ. सोनू जागलान, डॉ. प्रियंका शर्मा, डॉ. ज्योति जिंदल, डॉ. पूनम यादव, डॉ. ज्योति, डॉ. मनोज कनोजिया आदि मौजूद थे।

देवास डेंगू-मलेरिया से बचाव के लिए जागरूक कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़। उपस्वास्थ्य केंद्र देवास में मलेरिया-डेंगू से बचाव के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस जागरुकता कार्यक्रम में स्वास्थ्यकर्मी सतीश खैरवाल और शकुंतला ने ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताया कि मानसून में ज्यादा बारिश होने के कारण रुके पानी मच्छर बहुत ज्यादा हो जाते है, इसलिए खड़े पानी के गड्ढे को मिट्टी डालकर बंद करना चाहिए और रुके पानी में काला तेल डाल देना चाहिए, ताकि मच्छर उसमें अपना अंडा न दे सके। सप्ताह में एकबार सूखा दिवस जरूर मनाना चाहिए और बुखार होने पर मरीज को अपने रक्त की जांच स्वास्थ्य केंद्र में करवानी चाहिए, जो सभी स्वास्थ्य केंद्र पर निःशुल्क की जाती है। डेंगू-मलेरिया से संक्रमित पाए जाने पर मरीज का पूरा इलाज निःशुल्क किया जाता है। इस अवसर पर सीएचओ डॉ. हिमांशु, शर्मिला एएनएम, महेश पंच, अश्वनी, बिरेंद्र चौधरी, विनोद, रणबीर, पृथ्वीपाल, सतबीर, बिरेंद्र, सुनीता आशा वर्कर सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

नारनौल। शिविर में समस्याएं सुनती एसपी पूजा वशिष्ठ। फोटो : हरिभूमि

एसपी ने शिविर में सुनीं नागरिकों की शिकायतें

नारनौल। पुलिस एवं जिला प्रशासन की ओर से नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निवारण के उद्देश्य से लघु सचिवालय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों व समस्याओं को सुना गया। समाधान शिविर में आमजन को एक ही स्थान पर अपनी शिकायतें रखने का अवसर मिल रहा है। समाधान शिविर में कुल 92 शिकायतें आई, जिनमें पुलिस विभाग से संबंधित सात शिकायतें थी।

बिजली यूनियन का त्रिवार्षिक सम्मेलन 25 से

कनीना। हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर्स यूनियन का 26वां दो दिवसीय प्रतिनिधि सम्मेलन 25 व 26 अक्टूबर को हिल्टन रिसोर्ट बहादुरगढ़ में आयोजित किया जाएगा। बिजली निगम कार्यालय में कार्यरत जेई रामरतन शर्मा ने बताया कि केंद्रीय परिषद का त्रिवार्षिक चुनाव भी कराया जाएगा। इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि पूर्व प्रेस सचिव डीएस भारद्वाज व महासचिव सुंदरसिंह होंगे, जबकि अध्यक्षता पूर्व महासचिव ईश्वर सिंह करेंगे। 25 अक्टूबर को सम्मेलन का उद्घाटन होने के बाद मुख्य वक्ता का संबोधन होगा।

कनीना। ग्राहक सुविधा केंद्र का उद्घाटन करते पंस चेयरमैन जेपी यादव।

बीआई बैंक का ग्राहक सुविधा केंद्र का उद्घाटन

कनीना। गाहडा रोड के समीप सोमवार को बीआई बैंक का ग्राहक सुविधा केंद्र खोला गया। जिसका उद्घाटन पंचायत समिति चेयरमैन जेपी यादव ने किया। उन्होंने कहा कि सुविधा केंद्र संचालित होने से आमजन को बीआई बैंक के कार्य करवाने में आसानी होगी। इस केंद्र का संचालन अहमद वासी खेड़ी तलवाना की ओर से किया जाएगा।

नारनौल। ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों को दिलाई नशा न करने की शपथ

नारनौल। नशा मुक्त अभियान के तहत गठित विशेष टीम ने सोमवार को गांव रामपुरा का भ्रमण किया। इस दौरान गांव के शिव मंदिर के पास लोगों को एकत्रित कर नशा एक सामाजिक बुराई विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। निरीक्षक शारदा व उनकी टीम ने नशे के गंभीर दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीम ने ग्रामीणों को बताया कि पुलिस नशे की गिरफ्त में आ चुके लोगों को समाज की मुख्य धारा में वापस लाने का लगातार प्रयास कर रही है।

विभिन्न संगठनों ने काले झण्डे और पट्टी बांध कर निकाली आक्रोश रैली

- आईपीएस वाई पूरन कुमार की आत्महत्या, यूपी के हरिओम वाल्मीकि की हत्या व सीजेआई हमले पर जताया रोष
- प्रदर्शन कर की सरकार से कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

षड्यंत्र के तहतआईपीएस वाई पूरन कुमार की संदिग्धावस्था हुई मौत, यूपी में हरिओम वाल्मीकि की भीड़ तंत्र द्वारा पीट पीट कर हत्या व सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर हुए हमले आदि की इंसानियत को शर्मशार कर देने वाली संगीत घटनाओं के मामले में महर्षि वाल्मीकि सभा के प्रधान जोगेंद्र जैदिया की अध्यक्षता में विभिन्न संगठनों ने रविवार देर सायं आक्रोश रैली निकाली। इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि सभा से उपायुक्त कार्यालय तक काले झंडों के साथ काली पट्टियां बांधकर व मोमबत्ती जलाकर पुलिस प्रशासन तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि सभा के प्रधान जोगेंद्र जैदिया ने कहा कि पूरे भारतवर्ष में इन घटनाओं पर लगातार रोष प्रदर्शन हो रहे हैं और मीडिया में भी जोर जोर से छाया हुआ है, लेकिन इसके बावजूद सरकार इस मामले में मुख दर्शक बनी हुई है। जैदिया ने कहा कि रैली कर सरकार को कड़ा संदेश दिया कि अब उपेक्षित समाज उन पर दिन प्रतिदिन हो रहे अत्याचार, मर्डर व शोषण को बर्दाश्त नहीं करेगा। कोली सभा के प्रधान तोताराम, खटीक सभा के पतराम खिंची, अखिल भारतीय सफाई कर्मचारी संघ के दयाराम, सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, धानक समाज के पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना, नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रधान महेंद्र सिंह व कबीर संस्था के वाइस चेयरमैन बिरदी चंद गोठवाल, पूर्व प्रधान हरिसिंह बड़कोदिया, समिति उपाध्यक्ष एवं वाल्मीकि सभा के राजेश चांवरिया व अन्य संगठनों ने दुख प्रकट करते हुए कहा कि सरकारी तंत्र के बड़े पद ऐसे लोगों के हाथों में है, जिनकी मानसिकता बहुत छोटी है। खुद को सर्वश्रेष्ठ कहने वाले और सिस्टम को चलाने वाले ऐसे लोग किस हद तक जातिवाद में फंसे पड़े हैं, फिर आम लोग ऐसे अधिकारियों से न्याय के लिए क्या उम्मीद रखेंगे।

घटित संगीन घटनाओं की रोकथाम में सरकार हो रही विफल

नारनौल। प्रदर्शन करते विभिन्न संगठनों के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गंभीर परिणाम भुगतने की दी चेतावनी

उन्होंने कहा कि इतने बड़े स्तर पर जातिवाद है तो हम आज कहां खड़े हैं, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है और इसी का नतीजा है कि आज सरकार उपेक्षित समाज पर प्रतिदिन हो रहे मर्डर, अत्याचार, शोषण और जातिगत भेदभाव की संगीन व दर्दनाक घटनाओं को रोकने में विफल हो रही है। विभिन्न संगठनों ने यह भी चेतावनी दी गई कि सरकार यदि अब भी होश में नहीं आई, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। सरकार द्वारा यदि दोषियों को यथाशीघ्र गिरफ्तार नहीं किया, तो हरियाणा का उपेक्षित समाज एकजुट होकर आक्रोश रैलियां व धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा।

यह हुए प्रदर्शन में शामिल

रोष बैठक व प्रदर्शन में महर्षि वाल्मीकि सभा उप प्रधान ताराचन्द, संयुक्त सचिव कुलदीप सिंह ढुलगच, संकल्प फाउंडेशन करतार सिंह जैदिया, भारतीय बौद्ध महासभा के प्रधान आशा पूनिया, सामाजिक विकास पथ की प्रेम यादव व रोशनी देवी, श्रेष्ठ फाउंडेशन के सुरेंद्र अंबेडकर, बाबूलाल पुरानी, अमरनाथ सिरोहा, महावीर, ललित, संजय ढैणवाल, अशोक कुमार, प्रवीन, हरिराम सिरोहा, दलीप सिंह, शिवकुमार, ओमप्रकाश, महेंद्र सिंह संगेलिया, भारत गोड़वाल, गौतम, नितिन, राहुल सारवान, अशोक डूलगच, वासु चांवरिया, प्रदीप कुमार, आशुतोष ढैणवाल, मास्टर महेश कुमार, महेश श्रेष्ठ, सुशील शीलू, रणधीर सिंह धीरू, एडवोकेट मंजीत यादव, शिन शाओलिफो निरिस्सरो, महेश जांटीवाल आदि शामिल थे।

केंद्रों पर खाद लेने के लिए किसान लगा रहे चक्कर, मजबूरन खरीद रहे टीएसपी व एनपीके

किसानों को आवश्यकता के अनुसार नहीं मिल रहा डीएपी खाद

मंडी अटेली। कोऑपरेटिव सोसायटी सिहमा का खाद केंद्र। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

जिले के खेतों में रबी की फसलों की बुवाई का समय चल रहा है, लेकिन पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद नहीं मिलने के कारण किसान फसलों की बुवाई का काम पूरा नहीं कर पा रहे हैं। खाद केंद्रों पर खाद लेने के लिए किसान चक्कर लगा रहे हैं। केंद्रों पर खाद का रैक आने पर किसानों को घंटेभर लाइन में लगने के बाद भी आवश्यकता के अनुसार खाद नहीं मिल पा रही है। इस कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खाद की कमी को लेकर किसानों ने बताया कि गेहूं की अगेती किस्म के बुवाई का समय 15 अक्तूबर से लेकर 5 नवंबर तक होता है। ऐसे में खाद नहीं मिलने के कारण किसान अगेती गेहूं की किस्म की बुवाई नहीं कर पा रहे हैं।

जिले में डीएपी खाद की किल्लत के चलते किसानों को लाइन में लगने के बाद भी खाद नहीं मिल पा रही है, जिसके कारण किसानों को डीएपी खाद के स्थान पर टीसएपी व एनपीके खाद की खरीद करनी पड़ रही है। टीसएपी एवं एनपीके खाद 1300 रुपये में, जबकि डीएपी 1350 रुपये में मिल रही है। वहीं प्राइवेट दुकान वाले ऊंचे दामों पर खाद वितरण कर रहे हैं। जिस भी किसान ने मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया हुआ है, उसी के हिसाब से खाद वितरण किया जा रहा है।

सोमवार को कोऑपरेटिव सोसायटी सिहमा के खाद केंद्र पर डीएपी मिलने की सूचना पाकर पहुंचे किसान महावीर, राजू, सतीश, रोहताश, कैलाश चंद्र, कर्ण सिंह, अशोक शर्मा, सुबेसिंह, सोनू, रणवीर आदि ने बताया कि उनको डीएपी खाद लेनी है, लेकिन खाद नहीं मिलने के कारण मजबूरन टीसएपी खाद खरीदनी पड़ रही है।

बरसात से फसलें चौपट

किसान हरिकृष्ण

पांच एकड़ जमीन है। जिस पर वह हर वर्ष फसलों की बुवाई करता है। उसकी बाजरे की फसलें बरसात से चौपट हो गई थी। ऐसे में उनकी उम्मीदें गेहूं एवं सरसों की फसल पर टिकी हुई हैं। लेकिन सरकार की अनदेखी व लापरवाही के कारण किसान ठगा जा रहा है। डीएपी की जगह एक विकल्प के तौर पर अन्य खाद दिया जा रहा है। यह बहुत ही गलत है। किसान मजबूरी वस खाद लेने को मजबूर है।

यह बोले वितरक

इस बारे में है हैफेड के खाद वितरक जगदीश से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सिहमा में डीएपी, टीएसपी, एनपीके खाद वितरण किया जा रहा है। मेरी फसल मेरा बोरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के हिसाब से खाद भेजा जा रहा है।

पूरे जिले में खाद की कोई कमी नहीं है। डीएपी डी सुचारू रूप से किसानों को दिया जा रहा है। डीएपी, टीएसपी, एनपीके खाद में किसी प्रकार का कोई फर्क नहीं है।

हर साल यही समस्या

किसान ध्वजपाल

कुल सवा दो एकड़ जमीन है। मजबूरी में टीएसपी खाद लिया है। रबी फसल की बोआई शुरू होने वाली है, लेकिन खाद की आपूर्ति सुचारू न होने से किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हर साल यही समस्या होती है। खाद की कमी से किसान सबसे ज्यादा प्रभावित होता है।

किसान चिंतित

किसान महताब

कुल सात एकड़ जमीन है। वह सुबह से कोऑपरेटिव सोसायटी सिहमा डीएपी खाद के इंतजार में खड़ा हुआ था। परंतु यहां पर अलग प्रकार की खाद वितरित की जा रही है, जिसको लेकर वह चिंतित है। अगर किसान को समय पर सही प्रकार की खाद नहीं मिलेगी तो उसकी फसल को संकट आ जाएगा।

खाद के काट रहे चक्कर

किसान रोहतास

रोजाना काम धंधे छोड़कर खाद के लिए चक्कर काटने पड़ रहे हैं। सरकार द्वारा पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं करवाया जाने से उसको चक्कर लगाने पड़ रहे है। पहले तो किसान को बरसात नहीं मारा और अब अलग प्रकार का खाद वितरित करने पर फसल पर संकट का सामना करना पड़ सकता है।

बिना खाद के वापस लौटे

किसान सोनू

सुबह आकर लाइन में लगा था। देखा तो अधिकतर किसान बिना खाद लिए वापस लौट रहे थे। उसने देखा कि खाद्य वितरित तो किया जा रहा है, लेकिन डीएपी की बजाय टीएससी खाद किसानों को वितरित किया जा रहा है। ऐसे में उनकी उम्मीदें गेहूं की फसल पर टिकी हुई हैं, लेकिन अलग प्रकार का खाद मिलने से गेहूं की फसल कमजोर पड़ सकती है।

डीएपी खाद की मांग को लेकर किसानों ने किया प्रदर्शन

नारनौल। बसपा नेता अतरलाल के नेतृत्व में रोश मार्च निकालते किसान कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। किसानों को डीएपी खाद खेतीबाड़ी अनुसार न मिलने से उनका धैर्य जवाब देने लगा है। डीएपी किल्लत को लेकर कहीं किसान मंडी गेट बंद कर रहे हैं, तो कहीं सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रहे हैं। सोमवार को बहुजन समाज पार्टी के नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल के नेतृत्व में किसानों ने धनौन्दा बस अड्डा पर रोष मार्च व जुलूस निकाला। किसानों ने सड़क पर उतरकर हाथों में पोस्टर लहराकर तथा नारेबाजी कर पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद उपलब्ध करवाने की मांग की। रोष मार्च में पाथेड़ा, कैमला, अगिहार, खेड़ी तलवाना, पोता, स्याणा, नौताना, बाघोत, उच्चत, छिथरोली, झाड़ली, धनौन्दा, सिहोर आदि गांवों के सैकड़ों किसान तथा बसपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर अतरलाल ने कहा कि सरसों की बुआई शुरू हो चुकी है, लेकिन किसानों को काश्त के अनुसार डीएपी खाद नहीं मिल रहा है। किसान डीएपी खाद के लिए चक्कर काट रहे हैं और उन्हें सारे दिन लाइनों में लगकर भी बिना खाद लिए घर लौटना पड़ रहा है। उन्हें खाद विक्रेता डीएपी खाद के साथ 500 से 600 रुपये का अन्य उत्पाद खरीदने के लिए मजबूर करते हैं, जो किसान के साथ अन्याय है। किशनपाल, मीरसिंह वैद्य, करतार, मदन सिंह, राजेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार हर चीज में किसानों के साथ धोखा कर रही है। सरकार ने बाजरा भावांतर के 575 रुपये प्रति क्विंटल देने की घोषणा की, लेकिन सरकार 2200 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरा नहीं खरीद रही है। किसानों को 1700 से 1800 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरा बेचना पड़ रहा है। उन्होंने बाजरा भावांतर की राशि बढ़ाकर 1000 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से करने की मांग की। इस मौके पर मुकेश तंवर, राधेश्याम, सुरेश, राकेश यादव, नवीन डुडी, राजबीर, बीरसिंह, कैलाश सेठ, मदन सिंह, महेन्द्र सिंह, विक्रम पंच, रामबीर पंच, पवन धनखड़ ने कहा कि सरकार ने तत्काल किसानों को आवश्यकता अनुसार डीएपी खाद उपलब्ध करवाने के पुख्ता प्रबन्ध नहीं किए, तो किसान बड़ा आंदोलन छेड़ने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

- किसानों ने धनौन्दा बस अड्डा पर रोष मार्च व जुलूस निकाला

अखिल भारतीय विरोध दिवस मनाया

नारनौल। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व पेपर लीक की समस्याओं के खिलाफ अखिल भारतीय विरोध दिवस क्रांतिकारी युवा संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ आर्गेनाइजेशन की ओर से मनाया गया। संगठन के जिला इंचार्ज सतीश कुमार ने कहा कि हरियाणा में बेरोजगारी मे नंबर एक पर है। बेरोजगारी की समस्या दिनों दिन बढ़ रही है, सरकारी विभागों में हजारों पद खाली पड़े हैं, लेकिन सरकार उनको भर नहीं रही है। सरकार लगातार सरकारी विभागों का निजीकरण कर ठेके पर भर्ती कर रही है। सरकार नाम मात्र का वेतन देखकर उनका शोषण कर रही है।उन्होंने मांग की सभी बेरोजगारों को रोजगार दिया जाए, तब तक जीने लायक बेरोजगारी भत्ता दिया जाए। सार्वजनिक विभागों के निजीकरण पर रोक लगाई जाए व रोजगार को मौलिक अधिकार में शामिल किया जाए, सरकारी विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर प्रतिबंध लगाया जाए, प्रश्न पत्र तैयार करने से लेकर पेपर होने तक की जिम्मेदारी सरकार ले।

महिलाओं ने किया प्रसाद वितरण

अहोई अष्टमी पर हवन करके संतान की दीर्घायु व परिवार की सुख समृद्धि मांगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

अहोई अष्टमी के अवसर पर ढाणी जाजमा में हवन करके संतान की दीर्घायु व परिवार के लिए सुख समृद्धि मांगी हैं। पूजा अर्चना करने के बाद ग्रामीणों को प्रसाद वितरण किया तथा महिलाओं को बुजुर्गों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति को विकसित करने का आह्वान किया। सत्यवीर आर्य ने बताया कि भारतीय संस्कृति में अध्यात्मिकता व एकजुटता का समावेश है। प्रत्येक महीने उत्सव होते हैं, जिनसे समाज को विभिन्न प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने कहा कि अहोई अष्टमी पर देवी की पूजा अर्चना करने की परंपरा बनी है। जिससे संतान को शारीरिक बीमारियों से निजात मिलने के अलावा परिवार में सुख समृद्धि का समावेश संभव होता है। एडवोकेट सत्यपाल यादव के पुत्र आर्यन जाजमा के वैवाहिक जीवन की प्रथम अहोई अष्टमी पर हवन का आयोजन किया गया। इसके बाद ग्रामीणों को प्रसाद वितरण करके घर में दैनिक रूप से हवन करने का संदेश दिया।

नांगल चौधरी। अहोई उत्सव पर हवन का आयोजन करते एडवोकेट सत्यपाल यादव व परिजन। फोटो : हरिभूमि

बाजरे की खरीद नहीं होने से परेशान किसान नुकसान की भरपाई के लिए सौंपा ज्ञापन

नांगल चौधरी। समर्थन मूल्य पर बाजरे की खरीद नहीं होने पर जजपा के हलका प्रधान एडवोकेट प्रमोद ताखर व प्रभारी विनोद भील के नेतृत्व में तहसीलदार को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें किसानों को फसल पंजीकरण के आधार पर भावांतर सहायता देने व मंडियों में तुरंत प्रभाव से खरीद आरंभ करने की गुहार लगाई। इस दौरान जजपा कार्यकर्ताओं ने बीडीपीओ प्रांगण में सरकार विरोधी नारेबाजी की। सरकार ने बाजरे का भाव 2775 प्रति क्विंटल निर्धारित किया था तथा 10 अक्टूबर से खरीद करने के निर्देश थे, लेकिन नांगल चौधरी मंडी में 50 से अधिक सैंपल भरे गए थे, सभी सैंपलों को कलर पीला होने का तर्क देकर कैंसिल कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा में किसानों का कोई कसूर नहीं, सरकार को सहानुभूति पूर्वक फसल पंजीकरण के आधार पर भावांतर सहायता देने व मापदंडों में छूट देकर बाजरा खरीदने की गुहार लगाई। जल्द ही खरीद आरंभ नहीं की गई, तो धरने प्रदर्शन करने की रूपरेखा बनाई जाएगी। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हजारीलाल लंबोरा, जिलेसिंह गुर्जर, नवनीत एडवोकेट, मनोज मोहनपुर, चैनसुख तोताहेड़ी, प्रदीप कालबा, अशोक नंगली मौजूद रहे।

आईपीएस अधिकारी मौत को लेकर खाप चौरासी वाल्मीकि सभा ने की निंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- वाई पूरन कुमार ने जातिगत उत्पीड़न, पदावनति, वेतन रोकने और साजिशन झूठे मामलों में फंसाने जैसे गंभीर आरोप लगाए

आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की संदिग्ध आत्महत्या मामले को लेकर खाप चौरासी वाल्मीकि सभा ने सरकार के प्रति घोर निंदा की है। खाप चौरासी वाल्मीकि सभा अध्यक्ष श्रीचंद वाल्मीकि ने कहा कि वाई पूरन कुमार ने जातिगत उत्पीड़न, पदावनति, वेतन रोकने और साजिशन झूठे मामलों में फंसाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। फिर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है।

उन्होंने कहा कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि सिस्टम द्वारा रचा गया षड्यंत्र है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को इस हद तक प्रताड़ित किया जा सकता है तो आम कर्मचारी किस हद तक सुरक्षित है।

आईपीएस वाई पूरन कुमार को साथी अधिकारियों ने इतना तंग व परेशान किया कि मजबूर होकर उन्होंने आत्महत्या करनी पड़ी। ये एक एससी समाज परोर अत्याचार है। इसके लिए हरियाणा का एससी समाज इस घटना की घोर निंदा करता है और यह हमारे देश के संविधान को खत्म करने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने प्रशासनिक तंत्र में व्याप्त जातिवाद को उजागर कर दिया है।

जानकारी एक विद्यालय से तीन विद्यार्थियों की टीम ग्रुप के अनुसार लेगी भाग

ग्रुप-ए व ग्रुप-बी की जिलास्तरीय विज्ञान प्रश्नोतरी प्रतियोगिता 15 व 16 को

- राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय टीम को क्रमश: 60000, 50000 व 40000 रुपये मिलेगी पुरस्कार राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा विज्ञान एवं तकनीकी विभाग पंचकुला के तत्वावधान में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से जिला स्तरीय विज्ञान प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन ग्रुप ए के लिए 15 अक्टूबर व ग्रुप बी के लिए 16 को किया जाएगा। जिला विज्ञान विशेषज्ञ रविन्द्र कुमार ने बताया कि 15 अक्टूबर को सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों की टीम आरोही मॉडल स्कूल मंढाणा व 16 अक्टूबर को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों की टीम आरपीएस स्कूल महेंद्रगढ़ में क्विज में हिस्सा लेगी।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यालय को तीन विद्यार्थियों की एक टीम एक विज्ञान या गणित के अध्यापक के साथ अपने ग्रुप की साइंस क्विज के दिन और स्थान पर भेजनी होगी। प्रत्येक विद्यालय से एक टीम होनी चाहिए। किसी भी विद्यालय से एक से अधिक टीमों को शामिल नहीं किया जाएगा। विद्यार्थियों का चयन इस प्रकार किया जा सकता है कि वे संपूर्ण विज्ञान स्पेक्ट्रम को कवर कर सकें।

विजेताओं को यह पुरस्कार मिलेंगे : जिला स्तर पर विजेताओं को मोमेंटो व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा एवं सभी प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। दोनों समूहों में जोनल स्तर पर प्रथम स्थान के लिए 20 हजार, दूसरे के लिए 15 हजार रुपये व तीसरे स्थान के लिए 12 हजार रुपये की पुरुस्कार राशि दी जाएगी। राज्य स्तर पर प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को क्रमशः 60 हजार, 50 हजार व 40 हजार रुपये की पुरुस्कार राशि दी जाएगी।

क्या कहते है जिला शिक्षा अधिकारी

जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने बताया कि सभी विद्यालयों को विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खंड शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से सूचित कर दिया गया है। ज्यादा से ज्यादा विद्यालय इसमें भाग लेना सुनिश्चित करें।

कैसे आयोजित होगी क्विज

सभी भाग लेने वाली टीमों की लिखित व स्क्रीनिंग परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रकार की बहुविकल्पी होगी। जिसमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान के प्रश्न शामिल होंगे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए एक अंक दिया जाएगा और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 0.25 अंक काटे जाएंगे। इसके आधार पर सर्वश्रेष्ठ आठ टीमों का चयन किया जाएगा और इन आठ टीमों की मौखिक प्रश्नोत्तरी होगी। मौखिक प्रश्नोतरी में चार राउंड्स होंगे। पहले राउंड में फिजिक्स, केमिस्ट्री बायोलॉजी तथा मैथमेटिक्स आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे। दूसरा राउंड एक्टिविटी राउंड रहेगा। जिसमें विज्ञान की गतिविधियों पर आधारित प्रश्न होंगे। तीसरा राउंड विजुअल राउंड होगा। जिसमें विज्ञान के विभिन्न चित्रों या वीडियो पर आधारित प्रश्न पूछे जाएंगे तथा अंतिम राउंड रैपिड फायर राउंड रहेगा। जिसमें विद्यार्थियों की मानसिक तीव्रता का आकलन किया जाएगा। ओरल क्विज के माध्यम से ग्रुप ए व बी के अंतर्गत पांच पांच टीमों का जिला स्तर पर चयन किया जाएगा। जिला स्तर पर सभी विजेता टीमें जोनल स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में भागीदारी करेगी।